

प्रेषक,

अमर सिंह

उप सचिव

उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य चिदि त्पाधिकारी,

देहरादून ।

सिक्किम अनुभाग- (3) 5

देहरादून दिनांक: 10 अक्टूबर, 2005

विषय: प्रा0स्वा0 केन्द्र कुंजा, जनपद देहरादून के भवन निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं0-74/1/पी0एस0सी0/37/2003/02576 दिनांक 02.09.2005 के संदर्भ में तथा शासनादेश सं0-170/चि0-3-2004-51/2004 दिनांक 31.03.2004 शा0स0-1200/XXVIII(3)5-2005-51/2004 दिनांक 04.03.2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राजपाल महोदय जी. वित्तीय वर्ष 2005-06 में प्रा0स्वा0केन्द्र कुंजा, जनपद देहरादून के भवन निर्माण को पूर्ण करने हेतु संलग्नकानुसार रु0 21,35,000.00 (रु0 इक्कीस लाख पैंसैं हजार मात्र) की धनराशि को व्यय की सहय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तानुसार प्रदान की जाती है ।

2- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर किया जायेगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रखा जाएगा ।

3- उक्त धनराशि कोमांगर से तत्काः आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई परियोजना प्रबंधक उ0प्र0सी0 एण्ड डी0 एस0जल निगम, उत्तरांचल को उपलब्ध करायी जायेगी । कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये । स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा । अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा ।

4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित वात्सर संख्या व दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी । स्वीकृति संबंधी मूल शासनादेश की सभी शर्तें यथावत रहेंगी ।

5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित हस्त पुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं बजट मैनुअल व शासन द्वारा वित्तव्यवस्था के संबंध में समय समय पर निर्गत आदेशों के उ द्सार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

6- धनराशि उक्त संलग्नकों में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है ।

7- स्वीकृत धनराशि को वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में प्रत्येक माह की 07 तारीख तक शासन को उपलब्ध करायी जायेगी ।

7

8- जनसंख्या व आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं मितव्ययता को ध्यान रखकर किया जाय ।

9- सप्टर बजट वर्ष 2005-06 के अन्तःसमय में अनुमान संख्या-12-के लेखासंकेतिक 421- "विकास" तथा लोक स्वास्थ्य पर पुर्नगठन परिसंख्या-आयोजनागत 02 सामाजिक उत्तराय सेवाएँ-103 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र-91 जिला योजना-9101- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवनों का निदान कार्य पूर्ण किया जान (जिला योजना) 24- बृहत् निर्माण कार्य के नामे खाला जायेगा ।

10- यह आशा वित्त विभाग के असाईड- 978/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 07.10.2005 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

(अतर सिंह)
उप सचिव

सां- 382(1)/X xviii-(3)-5-2005-81/2004 तदुद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, नगरा देहरादून ।
- 2- निदेशक, व. योजना, उत्तरांचल, देहरादून ।
- 3- वारेण्ट क्रोड अधिकारी, देहरादून ।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून ।
- 5- नगरनिदेशक, विजित्वा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल ।
- 6- परियोजना सहायक, उ०ग्र०सी०एण्ड जी०एस० जल निगम उत्तरांचल ।
- 7- नजद राजकीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून ।
- 8- निजी सचिव, मा०मुख्यमंत्री ।
- 9- वित्त अनुभाग-2/नियोजन विभाग /एन०आई०सी० ।
- 10- माड फाईल ।

आशा है

(अतर सिंह)


उप सचिव

शारदादेश सं- 382/xxviii (3) 5-1005-51/2004/10.1005/का सलसलक

(धनसाश लाख २०० में)

क्रम सं०	साजसा का नाम	लागत	मरा का अद्युक्ता की मरी धनसाश	पिल्लोय वर्ष 205-06 में खकीकृत धनसाश
1	मोडरना000000 युक्ता धनसाश धनसाश मरा मराश धनसाश	33.35	12.00	21.35
	याग	33.35	12.00	21.35

(३० इक्कीस लाख पिल्लोय हजार मात्र)


(अनुर सिंह)
उप सचिव